HARYANA STATE SAS EXAMINATION PART-I

MAY 2006

Paper: Precis & Drafting (Without the aids of books)

Time allowed: 3 hours Maximum marks :100

Q.1 Write a draft letter from FCR to all the Deputy Commissioners in the State to take all necessary pre-cautionary measures to control draught situation. (In English)

(15 Marks)

Q.2 **(a)** Frame sentences using the following:

i. With open arms
ii. All and Sundry
iii. Pick holes
iv. By leaps and bounds
v. Left-handed complement. **(5 Marks)**

(b) Change into passive voice:

i. Who did this
ii. He will finish the work in a fortnight
iii. Some boys are helping the wounded man. **(3 Marks)**

(c) Change into indirect speech.

i. He said to me, "I cannot help you in this matter."
ii. "I do not know how to swim," said the monkey. **(2 Marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q.3 Translate any twenty into Hindi: -

1.	Appellant Authority	2.	Affirmative
3.	Benevolent Fund	4.	Book Adjustment
5.	Compaign Officer	6.	Context
7.	Compensatory allowance	8.	Debar
9.	Decline	10.	Deliberately
11.	Disbursing Officer	12.	Entrust with Duty

13. Exonerate
14. Forth With
15. Gradation List
16. Held in Abeyance
17. Identical Scale of Pay
18. Jurisdiction
19. Monetary Grant
20. Obstruct
21. Liquidation
22. Neutral
23. Par-excellance
24. Tribunal
25. Unskilled

(20 Marks)

Q.4 Translate into Hindi.

In whichever field it may be, there's no denying the fact that competition is getting tougher. This has affected our thinking process and has forced us to redefine our goals and targets. With growing competitions, our margin for error has become zero. This trend is evident in sports and studies as well as in other activities like music and stage performance also. The increasing greed for fame and money has left us with no other alternative but a need for perfection. It is essential today to be perfectionists in our respective fields. Talent in the country is vast today and we need to create more platform **(10 Marks)**

Hem Sharma Classes: 9991500264

Q.5 सभी जिलों के उपायुक्तों की ओर से मुख्य सचिव, हरियाणा के नाम अर्ध सरकारी पत्र का प्रारूप बनाएं जिसमें सरकार द्वारा वर्ष 2006 को बेटी बचाओ वर्ष घोषित किये गए हैं, इसके लिए आप अपने जिले में कौन–कौन सी कार्यवाही करना चाहेंगे और इसके लिए राज्य सरकार से क्या मदद चाहिए।

या

हरियाणा में बार–बार आ रहे हल्के भूकम्प झटकों के दृष्टिगत उपायुक्त द्वारा जिले में अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भूकम्प से जान माल की सुरक्षा के लिए क्या दिशा निर्देश दिये जाने चाहिए ? (हिन्दी में) **(15 अंक)**

Q.6 निम्नलिखित को हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करें :–

आज का विद्यार्थी पहले से कहीं अधिक सजग, वर्तमान और भविष्य के प्रति जागरूक है। इसी जागरूकता के साथ यदि वह व्यवहार के स्तर पर अपने आपको स्वेच्छा से अनुशासित भी कर ले तो सोने पर सुहागा वाली कहावत होगी। विद्यार्थी के लिए सबसे बड़ा अनुशासन यही हो सकता है कि वह सभी प्रकार की व्यर्थ बातों से दूर रहकर अपनी शिक्षा और शिक्षा जगत के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखे। हर छात्र अपने व्यक्तिगत के प्रति जागरूक होने की चाह रखता है। हर काम को अधिकारपूर्वक न करके जाने–अनजाने अपने जीवन को अनुशासनहीन बनाकर बाद में पछतावा करने से कोई लाभ नहीं है। अपने भावी जीवन को आनन्दमय बनाने के लिए विद्यार्थियों के लिए यह अति आवश्यक है कि वे अनुशासन में रहें। अनुशासन और सफलता का बड़ा घनिष्ठ सम्बन्ध है। जहां अनुशासन है वहां सफलता है और जहां अनुशासनहीनता है वहां असफलता है।

(10 अंक)

Q.7 निम्नलिखित परिच्छेद का सारांश बनाएं जोकि मूल का एक तिहाई भाग हो तथा उपयुक्त शीर्षक भी दीजिए :–

विश्वास के साथ जीवन में एक प्रकाश उत्पन्न होती है और साथ ही एक ऐसी शक्ति का विकास होता है जिसकी क्षमता अलौकिक होती है। विश्वास रखने वाला मन निर्भय होता है और उसके संकल्प का सम्मान प्रकृति की शक्तियां भी करती हैं। उदाहरण के तौर पर अगर याग नाम में सेकेण्ड गहरी श्वास भर कर दें हों और अनजान गहरे पानी वाली के बीच से शान्त चित्त, नंगे अथवा गीले लोगों से उड़ी पानी में भी तैरते जाना नहीं चाहिए। एक अटूट विश्वास के साथ प्रभु का ध्यान करते हुए शांत रहना चाहिए। आप महसूस करेंगे कि आपके विश्वास से ही तेज हवाएं शांत हो जायेंगी और जल का ऊपर भी याग जाएगा। इस घटना से ये बातें स्पष्ट है - विश्वास ही असम्भव उत्पन्न वाला अलौकिक बल इस बात से सम्पन्न व्यक्ति को अद्भुत हिम्मत मिलती है। उसके मार्ग में आने वाली हर कठिनाई या विपत्ति–परिस्थिति हार जाती है। भौतिक जीवन हो या अध्यात्म पथ, विश्वास से पैदा हुई दृढ़ता मनुष्य को पतन के गर्त में डूबने से बचाती है। **(20 अंक)**

Hem Sharma Classes: 9991500264